|  |
| --- |
| 19. März 2025 |
| **Hl. Josef, Bräutigam der Gottesmutter Maria Hochfest** |
| Erste Lesung: 2 Sam 7, 4-5a.12-14a.16; Zweite Lesung: Röm 4, 13.16-18. 22; Evangelium: Mt 1, 16.18-21.24a oder Lk 2, 41-51a |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 836 | Josef, Davids Sohn geboren |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 151 | Herr, erbarme dich unser |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 413, 1+2 | Ehre, Ehre sei Gott |
|  | GL 706 | Wir beten an und loben dich |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 89, 2-5. 27 u. 29 |
|  | Kehrverse: |  |
|  | GL 60, 1 | Der Herr hat uns befreit |
|  | GL 657, 3 | Dein Erbarmen, o Herr |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 448, 1-4 | Herr, gib uns Mut |
|  |  |
| Ruf vor dem Evangelium: | GL 176, 5; GL 584, 9; GL 560, 1; GL 644, 6 |
|  | Vers: |  |
|  | *Selig, die in deinem Hause wohnen, Herr,* |
|  | *die dich loben allezeit.* |
|  |  |
| Credo: | GL 794 | Wir glauben, Herr |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 457, 1-3 | Suchen und fragen |
|  | GL 543, 1 | Wohl denen, die da wandeln |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 200 | Heilig |
|  | GL 388 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 384, 1-3 | Hoch sei gepriesen |
|  |  |  |
| Schlusslied: | GL 455, 1+2+4 | Alles meinem Gott zu Ehren |
| Schluss: | Am Abend: |  |
|  | GL 91, 1-3 | In dieser Nacht |